मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

जनवरी 2026

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। *(खबर पेज 3 पर)*

अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को मिलेगा नया आयाम

सीसीएसयू का जर्मनी की टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, विल्डौ के साथ अकादमिक कार्यक्रम का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से जर्मनी की टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, विल्डौ के साथ एक महत्वपूर्ण अकादमिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तुतीकरण एवं आपसी संवाद के माध्यम से भविष्य में संयुक्त अनुसंधान, नवाचार तथा शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम ऐसे समय में आयोजित हुआ जब हाल ही में जर्मनी के चांसलर द्वारा भारत का दौरा कर प्रधानमंत्री से ग्रीन एनर्जी, हाइड्रोजन फ्यूल, सतत विकास एवं तकनीकी सहयोग को लेकर आगे मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की गई थी। इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में यह कार्यक्रम भारत–जर्मनी शैक्षणिक एवं शोध सहयोग की दिशा में एक स्वाभाविक और सार्थक एलाइनमेंट के रूप में देखा जा रहा है।

जर्मन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों का स्वागत करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता और सीसीएसयू के पदाधिकारी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने की। उन्होंने कहा कि सीसीएसयू निरंतर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को विस्तार देने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्हा. ने कि आज मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय परंपरा के अनुरूप उत्तरायण के आरंभ का प्रतीक है, जब सूर्य सकारात्मक दिशा में गति करता है। इसी प्रकार यह अकादमिक संवाद भी विवि के लिए नई दिशा, नई ऊर्जा और नए अवसरों का संकेत है।

कुलपति ने कहा कि कंपोजिट पॉलिमर, फोटोनिक्स, हाइड्रोजन एनर्जी, फोटो–कैटालिटिक तकनीक एवं एयरोस्पेस इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में यह सहयोग विवि की शोध क्षमता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इस अवसर पर सीसीएसयू की ओर से विस्तृत प्रस्तुति प्रो. बीरपाल सिंह, निदेशक, अनुसंधान एवं विकास द्वारा दी गई। उन्होंने विवि में उपलब्ध अनुसंधान अवसंरचना, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, फैकल्टी विशेषज्ञता, शोधार्थियों की संख्या तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ग्रीन एनर्जी, उन्नत सामग्री विज्ञान एवं उभरती तकनीकों में वैश्विक भागीदारी के लिए पूर्ण रूप से तैयार है।

जर्मनी की ओर से प्रो. डॉ. क्रिश्चियन ड्रेयर तथा डॉ. किरील दिमित्रोव ने अपनी प्रस्तुति में उन प्रमुख क्षेत्रों को रेखांकित किया जिनमें दोनों संस्थान मिलकर कार्य कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कंपोजिट पॉलिमर सामग्री के माध्यम से हल्की, मजबूत एवं ऊर्जा–दक्ष संरचनाएं विकसित की जा सकती हैं, जिनका उपयोग एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों में किया जा रहा है।

उन्होंने फोटोनिक्स के क्षेत्र में प्रकाश आधारित उन्नत तकनीकों, सेंसर सिस्टम एवं ऊर्जा कुशल उपकरणों के विकास पर संयुक्त अनुसंधान की संभावनाएं बताईं। हाइड्रोजन एनर्जी को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में विकसित करने, हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण एवं उपयोग से जुड़ी तकनीकों पर भी सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रस्तुतीकरण में फोटो–कैटालिटिक तकनीक पर विशेष चर्चा हुई, जिसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण, जल एवं वायु शुद्धिकरण जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को आगे बढ़ाया जा सकता है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उन्नत सामग्री, हल्के कंपोजिट स्ट्रक्चर एवं उच्च प्रदर्शन तकनीकों पर संयुक्त कार्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत भौतिकी विभाग में विद्यार्थियों के साथ एक विशेष व्याख्यान एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने कंपोजिट पॉलिमर, ग्रीन एनर्जी, हाइड्रोजन फ्यूल, फोटोनिक्स एवं एयरोस्पेस तकनीक से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका जर्मन विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण से समाधान प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने इस संवाद को अत्यंत प्रेरणादायक बताया।

डीआरडीओ के लिए यूवी डिटेक्शन तकनीक विकसित करेगा सीसीएसयू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विभाग के प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से 45 लाख रुपये से अधिक का अत्यंत महत्वपूर्ण शोध प्रोजेक्ट दिया गया है। तीन वर्ष के प्रोजेक्ट का उद्देश्य रक्षा एवं वैज्ञानिक जरूरतों के अनुरूप अत्याधुनिक तकनीक विकसित करना है।

प्रो. संजीव कुमार शर्मा

प्रोजेक्ट का विषय 'डिजाइन एंड फेब्रिकेशन आफ गैलियम आक्साइड (जीएओ) और मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड (एमओएस) हेटरोजंक्शन फार सेल्फ पावर्ड सोलर–ब्लाइंड फोटोडिटेक्टर्स' है। इसका मुख्य लक्ष्य पराबैंगनी (यूवी) किरणों की पहचान के लिए एक ऐसा सेल्फ–पावर्ड सोलर–ब्लाइंड फोटो डिटेक्टर विकसित करना है, जो बिना किसी बाहरी ऊर्जा स्रोत के काम कर सके और अधिक सटीक, टिकाऊ व पर्यावरण अनुकूल भी हो।

सीसीएसयू के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी डिफेंस एजेंसी ने विश्वविद्यालय को इतनी बड़ी शोध जिम्मेदारी सौंपी है। प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि प्रोजेक्ट की स्वीकृति से पहले तीन बार प्रेजेंटेशन दिया गया और डीआरडीओ की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कई संशोधन किए गए, ताकि शोध सीधे तौर पर व्यावहारिक समस्याओं का समाधान कर सके।

इस प्रोजेक्ट से बीएससी, एमएससी और पीएचडी शोधार्थियों को एडवांस्ड इलेक्ट्रानिक सिस्टम डेवलपमेंट में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। इससे छात्रों को डिफेंस ओरिएंटेड रिसर्च का अनुभव प्राप्त होगा और उन्हें भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इसके अंतर्गत एक जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) की तीन साल के लिए नियुक्ति होगी। जेआरएफ को पहले और दूसरे वर्ष में 37,000 रुपये प्रतिमाह (एचआरए अतिरिक्त) और तीसरे वर्ष में 42,000 रुपये प्रतिमाह (एचआरए अतिरिक्त) मानदेय मिलेगा।

प्रो. बरनवाल ने एएनआरएफ प्रधानमंत्री प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित एएनआरएफ–प्रधानमंत्री प्रोफेसर के रूप में प्रो. डॉ. वीरेंद्र बरनवाल ने औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के उपरांत उन्होंने विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने प्रो. डॉ. बरनवाल का स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से विश्वविद्यालय में उच्चस्तरीय शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता को नई गति मिलेगी।

उन्होंने आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। प्रो. डॉ. वीरेंद्र बरनवाल ने कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध के क्षेत्र में सशक्त पहचान दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध प्रो. बीरपाल सिंह एवं प्रो. जितेंद्र सिंह, उप निदेशक (रिसर्च इंटरनेशनल कोऑपरेशन) भी उपस्थित रहे।

प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र बरनवाल (बाएं से दूसरे) का स्वागत करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

उल्लेखनीय है कि अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की ओर से विश्वविद्यालय को एएनआरएफ प्राइम मिनिस्टर प्रोफेसरशिप के अंतर्गत फेलोशिप मिली है।

यह प्रोफेसरशिप उन्हीं विश्वविद्यालयों के नाम पर मिलती है, जो पेयर यानी पार्टनरशिप फार एक्सीलरेटेड इन्नोवेशन एंड रिसर्च प्रोग्राम से जुड़े हैं। सीसीएसयू इस प्रोग्राम में दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़ा है। सीसीएसयू के लिए नेशनल होर्टीकल्चर बोर्ड के सलाहकार प्रोफेसर वीके बरनवाल को यह प्रोफेसरशिप सीसीएसयू के लिए पांच वर्ष तक के लिए मिली है।

प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार बरनवाल सीसीएसयू के लाइफ साइंस विभाग में अपना शोध कार्य आगे बढ़ाने के साथ ही विद्यार्थियों व शोधार्थियों को पढ़ाएंगे भी।

महिला टेनिस में सीसीएसयू तीसरे स्थान पर : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला टेनिस प्रतियोगिता में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ तीसरे स्थान पर रही। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ ने दिल्ली यूनिवर्सिटी को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

लोक संस्कृति के भव्य संसार में प्रवेश कराती है 'चन्दन किवाड़'

सीसीएसयू में श्रोताओं से रूबरू हुईं लोकगायिका मालिनी अवस्थी

परिसर संवाददाता

मेरठ। लोक गायन और रचनाओं की प्राचीन विरासत को समझने का माध्यम है चन्दन किवाड़ पुस्तक। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में प्रसिद्ध लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने अपनी पुस्तक चन्दन किवाड़ को लेकर संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और रसिक श्रोताओं से कहा कि यह पुस्तक उन लोक गायकों और लोक गीतों के रचनाकारों की कहानी है जिन्हें वे पिछले 48 साल से गाती आ रही हैं। इस दौरान मंच पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय की साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर केके शर्मा ने पुस्तक की भूमिका और पुस्तक के कुछ अंशों पर चर्चा की।

मालिनी अवस्थी ने कहा कि जब वह 1998 में अपने पति अवनीश अवस्थी की बतौर डीएम पोस्टिंग के समय मेरठ आई थीं। कहा उप्र अपने आप में एक राष्ट्र है जहां हर जिले की संस्कृति है।

कहा कि मेरठ और हापुड़ हिंदी खड़ी बोली के जनक हैं। बनारस और लखनऊ जैसे सांस्कृतिक आयोजन कम ही होते थे, लेकिन यहां के लोगों में कुछ करने की ललक और उत्साह का कोई जवाब नहीं है। यहां जब उन्होंने लोगों से गीत संगीत और नृत्य के बारे में पूछा तो लोग कहते थे हमें पता तो नहीं, लेकिन आप बताएंगी तो हम कर लेंगे। यही वजह थी यहां पर उन्होंने कई कार्यक्रम किए। आज भी कई लोग उनसे पूछते हैं क्या आप मेरठ से हैं? उन्होंने मंच से हस्तिना. पुर की जय बोला।

चन्दन किवाड़ पुस्तक के कुछ अंशों की चर्चा करते हुए मालिनी अवस्थी ने बताया कि सन 2000 में जब वह मेरठ में थीं तब उनकी नानी भी उनके साथ रहती थीं।

उन्होंने उनसे सहज भाव में पूछ लिया कि नानी, नाना देखन में कैसे रहे। इस पर नानी कुछ देर सोचती रहीं फिर बोली हम कबहु देख न पाए। यह सुनना था कि वह आत्मग्लानि से भर गईं कि यह प्रश्न पूछा क्यों? पर नानी ने उन्हें बताया कि नाना क्रांतिकारी थे। उनका छह–सात साल का वैवाहिक जीवन रहा। वह रात में आते थे और सुबह होते ही चले जाते थे। वर्ष 1940 में बिजली उस समय थी नहीं।

इसके बाद मालिनी अवस्थी ने 'चांदनी छिपी छिपी जइहौं अटरिया, दिन की बैरन सास ननदिया, रात की जुनेइया वा अटरिया। ननदी बड़ी है लडेंड्या, देवरा बड़े हैं गईंगा' गीत गा कर सुनाया।

अपनी पुस्तक 'चंदन किवाड़' के संबंध में हुए संवाद कार्यक्रम में मालिनी अवस्थी और सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

इसी तरह अपने मायके के जीवन को याद कर रोती महिला का प्रसंग सुनाते हुए अमीर खुसरो की पंक्तियां 'काहे को व्याही विदेश, अरे लखिया बाबुल मोरे, भाइया को दीन्हों महला दुमहला, हमका दीन्हों परदेश' सुनाया तो पूरा सभागार भावविभोर हो गया।

वैक्सीनेशन से रोका जा सकता है सर्वाइकल कैंसर

परिसर संवाददाता

मेरठ। सर्वाइकल कैंसर कोई लाइलाज बीमारी नहीं है। समय रहते वैक्सीनेशन और नियमित जांच के माध्यम से इस गंभीर रोग से प्रभावी रूप से बचाव संभव है। महिलाओं और बालिकाओं में जागरूकता की कमी के कारण यह बीमारी जानलेवा रूप ले लेती है, जबकि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित वैक्सीन इसके खतरे को काफी हद तक कम कर सकती है। यह बात चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी कल्याणदेव चिकित्सालय में आयोजित सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कैंप के दौरान कही।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की 58 छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर की पहली डोज लगाई गई।

कुलपति ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से एचपीवी के कारण होता है और इसकी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित एवं वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है।

सर्वाइकल वैक्सीनेशन कैंप में पहुंचकर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाया।

चिकित्सक डॉ. प्रमोद बंसल ने जानकारी दी कि अब तक 134 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं, जबकि 100 से अधिक बालिकाओं को पहली डोज दी जा चुकी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल यादव, शोध निदेशक प्रो. वीरपाल सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र सिंह, महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदू शर्मा, चीफ वार्डन प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. वैशाली पाटिल आदि मौजूद रहे।

सीसीएसयू और गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे शोध

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के चरक स्कूल आफ फार्मेसी में माइक्रोवेव सहायक संश्लेषण विषय पर कार्यशाला हुई। कार्यशाला सीसीएसयू और गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत शैक्षिक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

उद्घाटन जूलाजी विभाग की हेड प्रो. बिंदु शर्मा व गुरुकुल कांगड़ी के फार्मेसी विभाग के हेड प्रो. विपिन कुमार ने किया। फार्मेसी स्कूल की प्रिंसिपल डा. वैशाली पाटिल ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को नवीन तकनीकी जानकारी प्रदान करना ही नहीं, बल्कि उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा दिखाना भी है।

दोनों संस्थानों के फार्मेसी विभाग मिलकर काम करेंगे

मुख्य अतिथि मेडिकल कालेज फार्मेसी विभागाध्यक्ष व प्रोफेसर डा. विभु साहनी ने इस प्रकार के तकनीकी और वैज्ञानिक आयोजनों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

डा. साहनी ने कहा कि माइक्रोवेव–सहायक संश्लेषण तकनीक विज्ञान और फार्मेसी के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। इसे अधिक से अधिक शोध एवं प्रयोगशाला स्तर पर लागू किए जाने की आवश्यकता है।

डॉ. मुनेश कुमार को किया सम्मानित

मेरठ। सीसीएसयू स्थित राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुनेश कुमार ने भुवनेश्वर में हुए भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद् के 62वें अखिल भारतीय अधिवेशन में हिस्सा लिया। डॉ. मुनेश कुमार ने अधिवेशन में 'भारत में राज्य की अवधारणा का परिचयात्मक विश्लेषण : अतीतकाल से वर्तमान तक' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। भारतीय राजनीति विज्ञान के महासचिव और कोषाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार शर्मा आदि ने डॉ. मुनेश कुमार को सम्मानित किया।

तिलक स्कूल में दो शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में शोधार्थी आदित्य देव त्यागी और सुंदर सिंह को उनके शोध उपरांत पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। आदित्य देव त्यागी ने प्रोफेसर प्रशांत कुमार के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया, जबकि शोधार्थी सुंदर सिंह के गाइड डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव थे। दोनों शोधार्थियों की खुली मौखिक परीक्षा (ओपन वाइवा वोस) 10 जनवरी को विभाग में संपन्न हुई।

आदित्य देव त्यागी की खुली मौखिकी में भारतीय जनसंचार संस्थान के प्रोफेसर प्रमोद कुमार बतौर विशेषज्ञ उपस्थित हुए, जबकि सुंदर सिंह की खुली मौखिकी के विशेषज्ञ गुरुग्राम यूनिवर्सिटी हरियाणा से प्रोफेसर राकेश योगी थे। आदित्य देव त्यागी के शोध का विषय था– भानुप्रताप शुक्ल की पत्रकारिता में सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का विश्लेषणात्मक अध्ययन। सुंदर सिंह के शोध का विषय था– उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में जनसंपर्क की भूमिका (भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के विशेष संदर्भ में)

खुली मौखिक परीक्षा के बाद अपने–अपने गाइड, विशेषज्ञ और शिक्षकों के साथ शोधार्थी सुंदर सिंह (बाएं से दूसरे) और आदित्य देव त्यागी (दाएं से तीसरे)।

दोनों शोधार्थियों ने बारी–बारी से पीपीटी के माध्यम से विशेषज्ञों और उपस्थिति शिक्षकों, अन्य शोधार्थियों व छात्रों को अपने शोध से परिचित कराया। विशेषज्ञों ने शोधार्थियों से उनके शोध के संबंध में कई प्रश्न किए, जिनका उन्होंने समुचित उत्तर दिया। उन्होंने अन्य लोगों के प्रश्न और जिज्ञासाओं का भी उत्तर दिया। अंत में दोनों विशेषज्ञ शोधार्थियों की प्रस्तुति, उनके शोध और उनके द्वारा दिए गए उत्तरों से संतुष्ट नजर आए। पहले आदित्य देव त्यागी और फिर सुंदर सिंह को पीएचडी की उपाधि प्रदान करने की औपचारिक घोषणा की गई। सभागार में मौजूद लोगों ने दोनों शोधार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

स्वागत–सम्मान : चौधरी चरण सिंह जयंती पर हुए कवि सम्मेलन के दौरान प्रसिद्ध शायर नवाज देवबंदी का स्वागत–सम्मान करते चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के निदेशक शोध प्रोफेसर बीरपाल सिंह।

सादगी, जनसेवा का अद्भुत उदाहरण है चौधरी साहब का जीवन

परिसर संवाददाता

मेरठ। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण किया गया और विधि विधान से हवन में सभी ने आहुति दी।

प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि स्व. चौधरी चरण सिंह का जीवन सादगी, सत्यनिष्ठा और जनसेवा का अद्भुत उदाहरण रहा है। वे ऐसे नेता थे, जिन्होंने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान का साधन माना। उनका संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। स्वयं ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े रहे और किसानों की समस्याओं को केवल नीति–निर्माण के स्तर पर ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर समझते थे। उन्होंने सदैव किसानों को देश की रीढ़ मानते हुए उनकी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को सशक्त बनाने के लिए कार्य किया।

चौधरी चरण सिंह जयंती पर परिसर में कई कार्यक्रमों का आयोजन

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित हवन में भाग लेतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और विश्वविद्यालय के शिक्षकगण।

गीत प्रतियोगिता में प्रथम रहे कमलकांत

परिसर संवाददाता

मेरठ। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में सीसीएसयू में आयोजित देशभक्ति गीत प्रतियोगिता की शुरुआत रसायन विज्ञान के छात्र सिद्धार्थ कौशिक ने 'ऐ मेरे प्यारे वतन ऐ मेरे बिछड़े वतन तुझ पे दिल कुर्बान' गीत प्रस्तुत कर की। बाद में यही गीत गाकर मेरठ कालेज के छात्र कमलकांत प्रथम स्थान पर रहे। मेरठ कालेज की ही जूलाजी की छात्रा साक्षी ने फिल्म कर्मा का प्रसिद्ध गीत 'दिल दिया है जान भी देंगे, ऐ वतन तेरे लिए' गाकर श्रोताओं में जोश भर दिया। वह दूसरे और एकेपी खुर्जा की बुलबुल तीसरे स्थान पर रहीं।

मेरठ कालेज के बीकाम के छात्र प्रिंस सैनी ने 'ओ देश मेरे तेरी शान पे सदके' गीत प्रस्तुत कर युवाओं में देश के प्रति कर्तव्यबोध का संदेश दिया। सीसीएसयू के योग विज्ञान की छात्रा राधा शर्मा ने फिल्म बार्डर का गीत 'संदेशे आते हैं' सुनाया।

योग विज्ञान विभाग की ही सोनाली वर्मा ने 'ओह रांझना वे तेरी सांसों पे थोड़ा सा वतन का भी हक था... तेरी मिट्टी में मिल जावां' के भावपूर्ण बोलों से श्रोताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। भगवती कालेज आफ एजुकेशन की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा खुशी ने 'धरती सुनहरी अंबर नीला, ऐसा देश है मेरा' गीत प्रस्तुत किया। सीसीएसयू के योग साइंस विभाग की छात्रा सलोनी ने मेरा मुल्क मेरा देश, मेरा ये वतन शांति का, उन्नति का, प्यार का चमन' गीत गाकर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की अध्यक्ष प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने कहा, स्व. चौधरी चरण सिंह हमेशा अपने गांव की मिट्टी से जुड़े रहे। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम सभी अपने–अपने पैतृक गांवों से जुड़े रहें। निर्णायक मंडल में कवि सुमनेश सुमन, कवयित्री कोमल रस्तोगी और अनुराधा शर्मा रहीं। पूर्व प्रति कुलपति एमके गुप्ता, शोध निदेशक डा. बीरपाल सिंह उपस्थित रहे। संयोजक डा. वैशाली पाटिल और संचालन डा. मनीषा त्यागी ने किया।

'चौधरी साहब ने साबित किया देश की असली ताकत किसान हैं'

परिसर संवाददाता

मेरठ। पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'चौधरी चरण सिंह के जीवन एवं विचार' विषय पर भाषण प्रतियोगिता कराई गई। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह ने साबित किया कि देश की असली ताकत किसान हैं। साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलानुशासक विश्वविद्यालय प्रो. बीरपाल सिंह, समन्वयक साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद प्रो. केके शर्मा एवं समन्वयक विधि अध्ययन संस्थान डा. विवेक कुमार ने किया। प्रतियोगिता में प्रियांशी शर्मा भगवती कालेज आफ एजूकेशन मेरठ पहले, अंशु यादव डीएन कालेज मेरठ दूसरे एवं आरजू त्यागी विधि अध्ययन संस्थान चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर तीसरे स्थान पर रहीं।

समन्वयक डा. विवेक कुमार ने कहा कि चौधरी चरण सिंह विधि के अच्छे छात्र, अधिवक्ता व महान किसान नेता रहे। उन्होंने अर्थशास्त्र पर कई किताबें लिखीं। उनका जीवन अनुशासन का पर्याय है। परिषद समन्वयक प्रो. केके शमां ने कहा कि विद्यार्थियों को पूर्व पीएम द्वारा लिखित पुस्तक 'शिष्टाचार' अवश्य पढ़नी चाहिए। डा. धर्मेन्द्र कुमार, डा. वैशाली पाटील, डा. अमरपाल सिंह ने भी विचार रखे।

डॉ. हरिओम पवार का सम्मान करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

कविता पाठ करते कवि सुदीप भोला।

चौधरी चरण सिंह जयंती पर हुए कवि सम्मेलन में बही अनेक रसों की धार

मेरठ। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान कविता के रसिक श्रोताओं ने करीब हर रस की कविताओं का स्वाद चखा।

देशभर में प्रसिद्ध मेरठ के ओज के कवि डॉ. हरिओम पवार की अगुआई में हुए कवि सम्मेलन डॉ पवार के अतिरिक्त प्रसिद्ध शायर नवाज देवबंदी, सुदीप भोला, गजेंद्र प्रियांशु, मुमताज नसीम, सुमनेश सुमन, अभय निर्भीक आदि ने श्रोताओं को देर तक अपने काव्य कौशल से मंत्र मुग्ध किए रखा। कुशल कुशलेंद्र ने कवि सम्मेलन का सफल संचालन किया। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला भी उपस्थित रहीं।

कविताओं का आनंद लेते श्रोतागण।

श्रद्धांजलि : महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि देतीं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला।

सीसीएसयू में बनेगा देश का पहला एआइ–सक्षम पायलट परिसर

परिसर संवाददाता

मेरठ। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती के अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने गूगल और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के साथ एक ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह पहल देश में समावेशी और भविष्य की तैयारी के लिए उच्च शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने दिल्ली में अपने कार्यालय में इस साझेदारी के समावेशी और परिवर्तनकारी स्वरूप पर कहा कि सच्चा विकास तब संभव है, जब शिक्षा और अवसरों तक पहुंच की बाधाओं को दूर किया जाए।

उन्होंने मातृभाषा में सीखने और युवाओं को वैश्विक तकनीकों से जोड़ने

पर जोर देते हुए कहा कि सीसीएसयू को एक एआइ सक्षम आदर्श संस्थान के रूप में विकसित करना पूरे देश के लिए एक ऐसा माडल प्रस्तुत करेगा, जो रोजगार योग्यता, कौशल और दक्षता से तय होगा।

उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति के केंद्र में युवा हैं और यह साझेदारी चौधरी चरण सिंह के उस स्थायी विश्वास को साकार करती है, जिसमें शिक्षा को भारत की वास्तविकताओं और आकांक्षाओं से जोड़ा गया है। इस सहयोग के तहत सीसीएसयू को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में एआइ अंगीकरण ढांचे के विकास और क्रियान्वयन के लिए पायलट संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही सीसीएसयू देश का पहला व्यापक एआइ सक्षम विश्वविद्यालय परिसर बनने की दिशा में अग्रसर होगा। यहां शिक्षण, अधिगम, कौशल विकास और संस्थागत प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समावेश किया जाएगा।

यह पायलट परियोजना राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देशभर के विश्वविद्यालयों के लिए योग्य माडल के रूप में कार्य करेगी।

एआइ आधारित टूल्स और प्लेटफार्म के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण, शहरी–ग्रामीण डिजिटल खाई को पाटना और भाषा, पहुंच व रोजगार योग्यता से जुड़ी चुनौतियों का समाधान किया जाएगा। विशेषकर टियर–दो और टियर–तीन क्षेत्रों के युवाओं के लिए इसे लाभकारी बताया जा रहा है।

साल 2025 में सीसीएसयू ने हासिल कीं कई उपलब्धियां

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 में शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इस साल विश्वविद्यालय ने न केवल छात्रों के लिए नए अवसर सृजित किए बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा भी मजबूत की। विश्वविद्यालय ने विभिन्न शोध परियोजनाओं और तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिससे छात्र और शोधकर्ता नई तकनीकों से परिचित हुए। नए पाठ्यक्रमों और उन्नत परीक्षा प्रणाली से छात्रों को आधुनिक शिक्षा और बेहतर शोध के अवसर प्राप्त हुए। विश्वविद्यालय ने ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों के लिए प्रवेश और शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में कदम उठाए।

राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में सीसीएसयू की प्रगति

- **एनआईआरएफ रैंकिंग 2025 :** राज्य विश्वविद्यालयों में सीसीएसयू को 41वीं रैंक प्राप्त हुई, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्पष्ट उन्नति दर्शाती है।
- **शिमागो रैंकिंग :** विश्वविद्यालय को 29वीं रैंक मिली, जो शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रमाण है।
- **टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग:** सीसीएसयू 1201–1500 रैंक बैंड में शामिल हुआ, जिससे यह वैश्विक स्तर पर भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय के रूप में उभरा।
- **क्यूएस एशिया रैंकिंग:** एशिया स्तर पर 701–750 ग्रुप में सीसीएसयू का स्थान, जिससे यह एशियाई शैक्षणिक मानचित्र पर भी अपनी पहचान बना चुका है।

2025 में किए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार

साल 2025 में विश्वविद्यालय ने न केवल शिक्षा और शोध में बल्कि अपने इंफ्रास्ट्रक्चर में भी कई बड़े सुधार किए। इस वर्ष विश्वविद्यालय परिसर में कई नए भवन और सुविधाएं तैयार की गईं। चरक स्कूल ऑफ फार्मेसी को आधुनिक सुविधाओं के साथ सशक्त किया गया, जिससे फार्मेसी विभाग के छात्रों के लिए अनुसंधान और प्रयोगशाला सुविधाएं बेहतर हुईं। बीटेक के छात्रों के लिए नए आर्यभट्ट हॉस्टल का निर्माण किया गया, जहां उन्हें गुणवत्तापूर्ण रहने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस का विस्तार भी किया गया, जिससे अतिथियों और शोधकों के लिए आवास की व्यवस्था और बेहतर हुई। कर्मचारियों के लिए 24 नए रेजिडेंस का निर्माण किया गया, जिससे स्टाफ को आरामदायक आवासीय सुविधा मिली। इस वर्ष रूसी विभाग का भी विस्तार किया गया, जिससे भाषा अध्ययन और शोध की सुविधाएं और अधिक सशक्त हुईं।

नए पाठ्यक्रम और शिक्षा में सुधार

पत्रकारिता और मीडिया विभाग में 'भारतीय संचार के प्रारूप' नामक नया विषय जोड़ा गया। बीए, बीएससी, बीकॉम, एलएलबी जैसे प्रमुख पाठ्यक्रमों के प्रवेश और परीक्षा परिणाम समय पर घोषित किए गए। विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली का विस्तार किया और प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की।

डा. कैलाश प्रकाश के जीवन से प्रेरणा लें युवा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के डा. कैलाश प्रकाश छात्रावास में शिक्षाविद डा. कैलाश प्रकाश की 116वीं जयंती के उपलक्ष्य में परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महान शिक्षाविद्, समाजसेवी एवं जननेता डा. कैलाश प्रकाश के जीवन, विचारों तथा समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान को स्मरण करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि डा. कैलाश प्रकाश से युवाओं को समाज व राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा लेनी चाहिए।

मुख्य वक्ता एवं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रो. विघ्नेश कुमार त्यागी ने डा. कैलाश

प्रकाश के जीवन दर्शन, उनके सामाजिक दृष्टिकोण तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

बताया कि डा. कैलाश प्रकाश राष्ट्रीय आंदोलन के एक सक्रिय सेनानी और आजाद भारत में रचनात्मक योगदान से संस्थाओं की स्थापना करने वाले महापुरुष थे। उनकी कार्यशैली और नैतिक मूल्यों से आज के युवाओं को प्रेरणा लेकर समाज सेवा एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रसर होना चाहिए।

मुख्य छात्रावास अधीक्षक सीसीएसयू प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि डा. कैलाश प्रकाश जैसे समर्पित शिक्षाविद् वर्तमान पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।

उन्होंने छात्रावासों को केवल निवास स्थल नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र बताया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रो. एसएस गौरव मौजूद रहे।

छात्र का एआई आधारित कृषि सुरक्षा प्रोजेक्ट चयनित

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित सर छोटूराम प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी संस्थान के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के बीटेक चतुर्थ वर्ष के छात्र अभिषेक शर्मा की परियोजना का चयन उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की छात्र परियोजना अनुदान योजना के अंतर्गत किया गया है।

अभिषेक शर्मा की यह परियोजना सौर ऊर्जा आधारित स्मार्ट कृषि सुरक्षा प्रणाली पर केंद्रित है, जिसमें लेजर घेराबंदी, तापीय चित्रण तकनीक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य किसानों की फसलों को सुरक्षित रखना है। योजना के अंतर्गत छात्र को बीस हजार रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पूरे प्रदेश से केवल साठ परियोजनाओं का ही चयन किया गया है। छात्र अभिषेक शर्मा ने बताया कि यह प्रणाली मनुष्य और पशुओं के बीच अंतर पहचानने में सक्षम होगी, जिससे बिना किसी नुकसान के फसलों की सुरक्षा की जा सकेगी। साथ ही

किसान दूरस्थ स्थान से भी अपने खेत की निगरानी कर सकेंगे।

इस परियोजना का मार्गदर्शन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. शोभित सक्सेना द्वारा किया जा रहा है।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने पुष्पार्चन कर उन्हें नमन किया। कुलपति ने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन, विचार और दर्शन आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ है। उन्होंने न केवल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को विश्वपटल पर स्थापित किया, बल्कि आत्मविश्वास, कर्मठता और राष्ट्रसेवा का संदेश देकर एक सशक्त भारत की नींव रखी।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात कर शिक्षा, शोध और समाजसेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

कुलपति ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि वह व्यक्ति के चरित्र निर्माण, आत्मबल और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का विकास करे। ''उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको'' का उनका संदेश आज के युवाओं को आत्मनिर्भर, साहसी और सकारात्मक सोच वाला नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया और उन्हें समाज परिवर्तन का वाहक माना।

कार्यक्रम में कुलसचिव डा. अनिल कुमार यादव, परीक्षा नियंत्रक वीरेंद्र कुमार मौर्य, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र सिंह, प्रो. विग्नेश कुमार, प्रो. कृष्णकांत शर्मा, प्रो. आराधना गुप्ता, प्रो. अजय विजय कौर उपस्थित रहे।

परिसर में आधुनिक प्रयोगशाला का निर्माण शुरू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को पीएम उषा यानी प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान के तहत मिले 100 करोड़ रुपये से विश्वविद्यालय परिसर में सुविधाओं को बढ़ाने का कार्य शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय परिसर में एकेडमिक ब्लाक, ओडीएल भवन और सीआइएफ यानी सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फेसिलिटी के भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

सीआइएफ एक आधुनिक प्रयोगशाला होगी जिसमें करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से अति आधुनिक उपकरणों को रखा जाएगा। यह उपकरण विज्ञान के हर विषय में प्रयोगों के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरण होंगे। वर्तमान में यह उपकरण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसी अन्य उच्च शिक्षण संस्थान में नहीं हैं। सीसीएसयू के सबसे करीबी संस्थानों में आइआइटी रुड़की और दिल्ली विश्वविद्यालय में ही सीआइएफ स्तर की प्रयोगशाला है।

अब सीसीएसयू में यह सुविधा विकसित होने के बाद प्रदेश के विभिन्न जिलों के कालेजों व विश्वविद्यालयों को आधुनिक उपकरणों के साथ अपने शोध को बेहतर करने में मदद मिलेगी। सीआइएफ भवन को विश्वविद्यालय की वर्तमान कैंटीन के पास बनाया जा रहा है। यह दो मंजिला भवन बनेगा जिसमें चार बड़े हाल बनेंगे। इनमें सभी उपकरणों को रखा जाएगा।